मासिक ई-समाचार पत्रिका
जनवरी-2023

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

खंड–4, अंक–1
जनवरी, 2023

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी
कुमार राज्यवर्धन

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार

डिज़ाइनर:
कामदेव कुमार पाल

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

हर सुबह एक नई उम्मीद की किरण, नए अवसर, नई ताकत और नई क्षमता लेकर आती है। यह अतीत पर विचार करने और बेहतर कल के लिए संकल्प लेने का भी समय है। पीछे मुड़कर देखने पर पता चलता है कि साल 2022 उपलब्धियों और चुनौतियों से भरा रहा। हमारे विश्वविद्यालय ने इन चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हाल के दिनों में मौसम की स्थिति में काफी बदलाव देखा गया है जो जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल ध्यान आकृष्ट करता है। इस दिशा में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय काफी योगदान दे रहा है। हमारे वैज्ञानिक खेतों में तकनीक का प्रदर्शन कर रहे हैं और किसानों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। पर्यावरण संतुलन के लिए प्राकृतिक खेती आगे का रास्ता है। प्राकृतिक खेती पर नए पाठ्यक्रम के लिए एक प्रारूप प्रस्तुत किया गया है और हमें उम्मीद है कि यह जल्द ही शुरू होगा जो भविष्य के कृषि परिदृश्य को बदल देगा। प्राकृतिक खेती न केवल हमारी मिट्टी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देगी बल्कि यह प्राकृतिक उत्पाद भी प्रदान करेगी जो मनुष्य के स्वास्थ्य को बेहतर स्थिति में रखेगी।

विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारे वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और छात्रों में अपार संभावनाएं हैं, उनके उत्साह को बनाए रखने के लिए एक बेहतर, कुशल और पारदर्शी प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय ई-ऑफिस प्रणाली को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि बहुत जल्द यह क्रियाशील हो जाएगा। यद्यपि हम विश्वविद्यालय को देश में शीर्ष स्थान पाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन वैश्विक मानचित्र पर जगह पाने के लिए हमें और भी तेज गति से आगे बढ़ने की जरूरत है। हालाँकि, हममें अभूतपूर्व क्षमता और दृढ़ इच्छा शक्ति है, लेकिन हमें दृढ़ संकल्प लेने के साथ-साथ अपनी ताकत और कमजोरियों की पहचान भी करनी है। मैं समझता हूँ कि यह अतीत से सीखे बिना संभव नहीं है। हमारा विश्वविद्यालय आज जिस ऊंचाई पर है, विश्वविद्यालय से सेवानिवृत कर्मचारियों/अधिकारियों ने अपनी प्रतिभा और समय का उपयोग कर इस विश्वविद्यालय को इस स्तर तक लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, जिनसे प्रेरणा का बेहतर स्रोत कुछ और नहीं हो सकता है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों/ अधिकारियों को उन्हें हमारे राष्ट्रीय नायक, भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी का जन्म दिवस, राष्ट्रीय कृषि शिक्षा दिवस एवं स्थापना दिवस (3 दिसंबर) के अवसर पर सम्मानित किया गया।

आइए हम सब मिल कर संकल्प लें कि हम अपने अतीत से सीख लेकर इस विश्वविद्यालय को नववर्ष 2023 में देश का श्रेष्ठतम कृषि विश्वविद्यालय बनाएंगे।

इसी के साथ मैं आगे आने वाले सुखद, स्वस्थ, शांतिपूर्ण और समृद्ध समय की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

डॉ. पी. एस. पाण्डेय

शिक्षा और शैक्षणिक गतिविधियाँ

- **सातवें सेमेस्टर मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** के छात्रों (बैच: 2019-23) द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया गया और पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु जैसे विभिन्न राज्यों में विभिन्न मत्स्य संस्थानों का भ्रमण करने के लिए 17 दिसम्बर, 2022 से अखिल भारतीय अध्ययन यात्रा शुरू की गई।

- **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के छात्रों द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया। तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छात्रों को प्रायोगिक शिक्षा कार्यक्रम मॉड्यूल (संस्थागत लगाव) के तहत बागवानी तथा बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने एक समूह गतिविधि में आवंटित भूखंड के भूनिर्माण डिजाइन को क्रियान्वित किया। छात्रों ने फूलों की खेती में उद्यमिता विकास के लिए अच्छे व्यवसायिक विचार भी प्रस्तुत किए।

- **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी, मोतिहारी** ने तीसरे सेमेस्टर वानिकी के छात्रों को व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए मुख्य परिसर में दो दिवसीय शैक्षिक दौरे का आयोजन किया। छात्रों के लिए यह एक शिक्षाप्रद अनुभव रहा।

Monthly e-Newsletter January-2023

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University

Pusa, Samastipur, Bihar-848125

Dr. P. S. Pandey
Hon'ble Vice-Chancellor

Vice-Chancellor's Message

Every dawn brings ray of new hope, new opportunities, new strength and new capabilities. It's also time to ponder over the past and find out the shortcomings to make resolutions for a better tomorrow. When we see back we found that the year 2022 was full of achievements and challenges. Our university has played key role in meeting these challenges.

In the recent past there has been extremity in weather conditions that calls for immediate attention to mitigate the ill effects of climatic changes. Under Climate Resilient Agriculture program, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University is contributing enormously and our scientists are demonstrating the techniques in the field and farmers are being trained.Natural Farming is a way forward. A draft syllabus for the new course on Natural Farming has been submitted and we are hopeful that it will start soon which will change the future scenario of agriculture. Natural Farming will not only boost our soil health but it will also provide natural products which will keep the health of human in a hygienic condition.

We have witnessed that our University is moving at a faster pace in the field of education, research and extension. We have seen that our scientists, employees and students have enormous potential, but we have to keep their enthusiasm up and provide a better, efficient and transparent system to work. University is moving towards implementation of e-office system and I am quite hopeful that very soon it will be operational. We are moving fast to take this university at top in the country but to bring this university on global web, we need to move even at much faster pace. Though, we have the capabilities and will power to do it but we have not only to resolute but also to identify our strength and weaknesses. It will not be possible without learning from the past and nothing can be better source of learning than our university employees who superannuated in the past after investing their talent and time in making of this university where it is today. Keeping this perspective in mind university connected and honoured its superannuated employees on the National Agricultural Education Day as well as University Foundation Day which was celebrated on 3rd December, the birth day of our National Hero, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad, the first President of India.

Let us come together and make a resolution for the new year 2023 to be the number one agricultural university in the country by taking lesson from our past.

I wish a happy, healthy, peaceful and prosperous time ahead.

Jai Hind!

(Dr. P. S. Pandey)

Education and Educational Activities

- **Rural Agricultural Work Experience Programme** of VII semester College of Fisheries students (batch: 2019-23) was completed successfully and All India Study Tour was started from 17th December 2022 to visit various fisheries institutions in different states like West Bengal, Odisha, Andhra Pradesh, Kerala and Tamil Nadu.

- **Rural Agricultural Work Experience programme** for students of Tirhut College of Agriculture, Dholi was also successfully completed. Students of Tirhut College of Agriculture, Dholi were attached with horticulture garden under Experiential Learning Programme module (Institutional attachment). They were also attached to Seed science and Technology department. They designed and executed landscaping of allotted plot in a group activity. The students also presented good business ideas for entrepreneurship development in floriculture.

- **Pandit Deen Dayal Upadhyay College of Horticulture & Forestry, Piprakothi, Motihari** organized two days educational tour for the students of third semester Forestry to the main campus for practical purposes. It was an enlightening experience for the students.

Volume-1, Issue-1
January, 2023

Chief Patron:
Dr. P. S. Pandey
Vice-Chancellor

Compiled & edited by:

(Drs.)
R.M. Sharma,
P. K. Pranav
M.L. Meena
K. Sapna
A.K. Panda
S. Nandni
G. Trivedi
K. Rajyavardhan

Tech. Asstt.:
Manish Kumar

Designer:
Kamdeo Kumar Pal

Published by:
Publication Division
RPCAU, Pusa.

Contact:
www.rpcau.ac.in

- **प्रसार शिक्षा और संचार प्रबंधन** विभाग ने 9 दिसंबर 2022 को " महिलाओं के मानवाधिकार " विषय पर मानवाधिकार दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये।

- **विगत माह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद** अंतर्गत राष्ट्रीय कृषि शिक्षा प्रत्यायन बोर्ड (एनएईएबी) से मान्यता के लिए गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर की स्व अध्ययन प्रतिवेदन (एसएसआर) के सत्यापन हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक द्वारा डॉ. (श्रीमती) आरती सिन्हा, निदेशक योजना, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा को पियर रिव्यू टीम (पीआरटी) के लिए विशिष्ट सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

- **दिनांक 29 दिसंबर 2022 को मत्स्यकी महाविद्यालय , ढोली** द्वारा वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। कॉलेज में अधिष्ठाता, संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने पूरे परिसर में 49 पेड़ लगाए। कार्यक्रम में अधिष्ठाता, डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव ने पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डाला।

- **दिनांक 31.12.2022 को अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** की अध्यक्षता में शिक्षक परिषद, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अनुसंधान गतिविधियाँ

- **दिनांक 08 से 14 दिसंबर, 2022 तक अरहर** पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की निगरानी टीम में सदस्य के रूप में तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के दो संकाय सदस्य डॉ. बीरेंद्र कुमार, प्राध्यापक (प्लांट पैथोलॉजी) और डॉ. आई. बी. पांडे, प्राध्यापक (एग्रोनॉमी) ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के चल रहे परीक्षणों, प्रजनक बीज उत्पादन और अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के लिए स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड रूरल डेवलपमेंट, नागालैंड विश्वविद्यालय, मेडज़िफेमा और कृषि कॉलेज, लेम्बुचेरा, अगरतला (त्रिपुरा) का दौरा किया।

- **निदेशक अनुसंधान द्वारा अरहर के परीक्षणों का निरीक्षण**

  तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और कृषि विज्ञान केंद्र, सारण में बुवाई की उन्नति के माध्यम से बिहार में कम अवधि की अरहर की फसल की खोज पर चल रहे प्रयोगों का निरीक्षण निदेशक अनुसंधान द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता (तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली), सह निदेशक अनुसंधान -द्वितीय एवं दलहनी फसलों से जुड़े वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

- **'कृषि यांत्रिकरण सेवाएं और रखरखाव तकनीशियन'**

  यांत्रिकरण प्रशिक्षण : फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा में 12 दिसंबर 2022 को 'फार्म मशीनरी सर्विसेज एंड मेंटेनेंस टेक्निशियन' के लिए 26 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के ग्यारहवें बैच का उद्घाटन किया गया। उसी दिन 10वें बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह भी आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय द्वारा की गई। कृषि यांत्रिकरण और पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियंत्रण एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय के प्रमुख और अन्य संकाय सदस्य और कर्मचारी उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

- **मेघा एस, विनोद, आर.आर. दुपारे,** मोगालेकर एच.एस., अनिरुद्ध कुमार और पी.पी. श्रीवास्तव द्वारा लिखित "पोक्कली- दअनरिवेल्ड ट्रेसर ऑफ़ कोस्टल बेल्ट ऑफ़ सेंट्रल केरला फॉर राइस, फिश एंड श्रिम्प कल्चर" नामक लेख विज्ञान वार्ता में प्रकाशित किया गया। (E-ISSN: 2582-9467, 4(1): 8-12)

- **क्षमता सृजन कार्यक्रम, सेमिनार और प्रकाशन में भागीदारी**

1. डॉ. प्रवेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय , ढोली ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल, में दिनांक 01-21 दिसंबर, 2022 तक " एक्सप्लोरिंग इंटीग्रेशन ऑफ़ मल्टी-ओमिक्स एंड कन्वेंशनल ब्रीडिंग अप्रोचेस फॉर सस्टेनेबल लाइवस्टॉक प्रोडक्शन" पर 21 दिवसीय उन्नत संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

2. डॉ. प्रवेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने भूमिका गमंगो द्वारा लिखित "डिफरेंट डोसेस ऑफ़ इन्दुसिंग होर्मोनेस एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ डिफरेंट लारवल फीड्स ऑन ग्रोथ एंड सर्वाइवल ऑफ़ स्पिनी ईल, मारकगनाथुस अकुलातुस (ब्लोच, 1786) लार्वा" के विकास और उत्तरजीविता पर विभिन्न लार्वा फ़ीड के प्रभाव" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। दिनांक 13 से 16 दिसंबर 2022 के दौरान मत्स्यकी महाविद्यालय, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, भारत द्वारा आयोजित रिस्पॉन्सिबल एक्वाकल्चर एंड सस्टेनेबल फिशरीज इंटरेक्शन (राशि) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रवेश कुमार, शिवेंद्र कुमार, रौशन कुमार राम और पीपी श्रीवास्तव ने भाग लिया।

➢ **The Department of Extension Education** and Communication Management observed Human Rights Day on 9th December 2022 on the topic- "Areas of Concern for Women". All teachers and staffs of College of Community Science participated in this programme and expressed their views.

➢ **The Director General**, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi nominated Dr. (Mrs.) Arti Sinha, Director Planning, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa as one of the distinguished members for Peer Review Team (PRT) to verify Self Study Reports (SSRs) of the Govind Ballabh Pant University of Agriculture & Technology, Pantnagar for accreditation from the National Agricultural Education Accreditation Board (NAEAB) of ICAR during 22-23 December, 2022.

➢ **A tree plantation drive was organized** by College of Fisheries, Dholi on 29th December, 2022. The Dean, faculty members, non-teaching staff and students at the college planted 49 trees across the campus and were education on the importance of planting trees.

➢ **Monthly Meeting of Teacher's Council, Tirhut College of Agriculture, Dholi** was organized under the Chairmanship of Dean, Tirhut College of Agriculture, Dholi on 31.12.2022. In the meeting, various issues related to teaching, research and extension were discussed thoroughly.

Research Activities

➢ **Scientists as members in the Monitoring team of ICAR-AICRP** Two faculty members of Tirhut College of Agriculture, Dholi Dr Birendra Kumar, Professor (Plant Pathology) and Dr. I. B. Pandey, Professor (Agronomy) visited School of Agricultural Sciences & Rural Development, Nagaland University, Medziphema and College of Agriculture, Lembucherra, Agartala (Tripura) for monitoring of ongoing Indian Council of Agricultural Research- All India Co-ordinated Research Project trials, Breeder Seed Production & Front line demonstration on Pigeon-pea from 08 – 14th December, 2022.

➢ **Director of Research monitored Pigeon-pea trials.**

The ongoing experiments on exploration of short duration pigeon-pea crop in Bihar through advancement of sowing window at Tirhut College of Agriculture, Dholi and Krishi Vigyan Kendra, Saran were monitored by Director of Research in presence of Dean (Tirhut College of Agriculture, Dholi), Associate Director Reaserch-II and the associated scientists in pulse crop.

➢ **Mechanization training on 'Farm Machinery Services and Maintenance Technician'** The Eleventh batch of 26 day training Programmes for 'Farm Machinery Services and Maintenance Technicians' were inaugurated in the Department of Farm Machinery and Power Engineering, College of Agricultural Engineering & Technology on 12th December, 2022. On the same day valedictory function of 10th batch training program was also organized under the Skill Development Programme of the Government of Bihar. Dean College of Agricultural Engineering & Technology chaired the event. Head and other faculty members and staffs of the Department of Farm Machinery and Power Engineering, College of Agricultural Engineering & Technology were present.

➢ **An article entitled** "Pokkali- The Unrivalled Treasure of Coastal Belt of Central Kerala for Rice, fish and shrimp culture" authored by Megha s. Vinod, R.R Dupare, Mogalekar H.S., Anirudh Kumar and P.P. Srivastava published in Vigyan Varta, (E-ISSN: 2582-9467, 4(1): 8-12.)

➢ **Participation in Capacity building programmes, Seminars and Publication**

1. Dr. Pravesh Kumar, Assistant Professor, College of Fisheries, Dholi attended 21 days CAFT (Centre for Advance Faculty Training) Programme on "Exploring integration of multi-omics and conventional breeding approaches for sustainable livestock production" from 01-21 December, 2022 at Indian Council of Agricultural Research-National Dairy Research Institute, Karnal, India.

2. Dr. Pravesh Kumar, Assistant Professor, College of Fisheries, Dholi Presented a paper on the topic "Different doses of inducing hormones and effect of different larval feeds on growth and survival of spiny eel, Macrognathus aculeatus (Bloch, 1786) larvae" authored by Bhumika Gamango, Pravesh Kumar, Shivendra Kumar, Roshan Kumar Ram and P. P. Srivastava during International Conference on Responsible Aquaculture and Sustainable Fisheries Interact organized by College of Fisheries, Central Agricultural University, Lembucherra, Tripura, India, on 13 - 16th December, 2022.

3. दिनांक 13-16 दिसंबर 2022 के दौरान मत्स्यकी महाविद्यालय, सीएयू, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा, भारत द्वारा आयोजित सस्टेनेबल फिशरीज इंटरेक्शन (राशि) में श्री राजीव कुमार ब्रह्मचारी, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने (राजीव कुमार ब्रह्मचारी, सौरव कुमार, पीपी श्रीवास्तव और आरपी रमन द्वारा लिखित) रिस्पॉन्सिबल एक्वाकल्चर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंटीपैरासिटिक एफिकेसी ऑफ़ बायोजेनिक आयरन नैनोपार्टिकल्स अगेंस्ट आर्गुलूस साईमनसीस" विषय पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

4. डॉ.आई.बी.पांडे, प्राध्यापक और मुख्य अन्वेषक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (अरहर), तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने दिनांक 20-23 दिसंबर, 2022 के दौरान आनंद कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात में तीसरे अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार सम्मेलन में भाग लिया और मौखिक वक्ता के रूप में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

प्रसार गतिविधियाँ

- **विश्व मृदा दिवस:** कृषि के मूल सिद्धांत मिट्टी के अच्छे स्वास्थ्य में निहित हैं और मृदा स्वास्थ्य कल्याण के लिए विश्व मृदा दिवस मनाया जाता है। इस विचार को व्यक्त करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान (दरौंदा ब्लॉक के रामगढ़ा गांव में) और कृषि विज्ञान केंद्र पिपराकोठी (कैंपस) ने दिनांक 05.12.2022 को एक दिवसीय अभियान का आयोजन किया, जहां केंद्र प्रधान डॉ. अरविंद कुमार सिंह व डॉ. ए.पी. राकेश, सहायक प्राध्यापक, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य महत्व, इसके संरक्षण और समन्वित पोषण प्रबंधन (आईएनएम) की जानकारी दी गई एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी किसानों के बीच वितरित किए गए।

- **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी** में प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित-पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी द्वारा दिनांक 06 से 08 दिसंबर 2022 तक 'जैविक खेती और जैविक उत्पाद' विषय पर तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए बामेती पटना द्वारा प्रायोजित किया गया था। अधिष्ठाता, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों को जैविक खेती के विभिन्न तरीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

- **प्रक्षेत्र दिवस:** कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की द्वारा दिनांक 07 दिसंबर 2022 को माननीय कुलपति, डॉ. पी.एस. पांडे, निदेशक प्रसार शिक्षा, निदेशक अनुसंधान , एवं अन्य अधिष्ठाता, निदेशक और नियंत्रक, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की उत्साहजनक उपस्थिति में अरहर (किस्म राजेंद्र अरहर-1) पर एक क्षेत्र दिवस सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय कुलपति ने केन्द्र के कार्यों की सराहना की और बहुमूल्य सुझाव दिए। इस कार्यक्रम में 50 किसानों और कृषि महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- **कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान** ने दिनांक 12 से 17 दिसंबर, 2022 की अवधि में बिहार कृषि प्रबंधन और विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (बामेती) द्वारा प्रायोजित 06 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के 30 जिलों के विस्तार अधिकारी शामिल हुए। प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण के साथ नवाचारों का मिश्रण उद्यमशीलता के परिदृश्य को बनाए रखने की कुंजी है और इसे ऐसे मंचों पर हितधारकों की भागीदारी से पूरा किया जा सकता है। प्रशिक्षण के विभिन्न परिणामों में से एक क्लस्टर आधारित नवोन्मेषी व्यवसाय मॉडल डिजाइनिंग की प्रस्तुति की व्यावहारिकता आने वाले समय में देखे जाएंगे। डॉ. मोहित शर्मा ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया है और पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान गतिविधियों का समन्वय किया।

- **"जैविक खेती: सुखेत मॉडल" प्रशिक्षण कार्यक्रम:** कृषि विज्ञान केन्द्र सुखेत द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (दरभंगा) प्रायोजित पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 13-17 दिसंबर, 2022 को आयोजित किया गया जिसमें 25 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।

- **सुविधाओं का उद्घाटन:** वैशाली में प्रसार गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए दिनांक 15.12.2022 को माननीय कुलपति द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली में मशरूम स्पॉन लैब, क्रेच और केले उत्पादों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कई अधिष्ठाता और निदेशक उपस्थित रहे।

- **"प्राकृतिक खेती" पर जागरूकता अभियान:** कृषि विज्ञान केंद्र, सीवान द्वारा सडीहा ब्लॉक भगवानपुर हाट गांव में "कम लागत वाली प्राकृतिक खेती" पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान ने प्राकृतिक खेती के महत्व की विस्तृत जानकारी दी। विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल उत्पादन) ने दिनांक 17 दिसंबर 2022 को प्राकृतिक खेती के तहत पौध संरक्षण उपायों को बेहतर तरीके से अपनाने के लिए जीवामृत, बीजामृत बनाने की विधि के बारे में विस्तार से बताया।

3. Mr. Rajiv Kumar Brahmchari, Assistant Professor, College of Fisheries, Dholi Presented a paper on the topic "Antiparasitic efficacy of biogenic iron nanoparticles against Argulus siamensis" authored by Rajiv Kumar Brahmchari, Saurav Kumar, P. P. Srivastava and R.P. Raman in the International Conference on "Responsible Aquaculture and Sustainable Fisheries Interact" organized by College of Fisheries, Central Agricultural University, Lembucherra, Tripura, India, during 13-16th December 2022.

4. Dr. I.B. Pandey, Professor & Principal Investigator, All India Co-ordinated Research Project on pigeon-pea, Tirhut College of Agriculture, Dholi participated in 3rd International Weed Conference at Anand Agricultural University, Gujarat during 20-23rd December, 2022 and received the certificate of appreciation for Oral presentation.

Extension Activities

- **World Soil Day:** The world soil day was celebrated to drive back the lost focus on soil health wellness. The Krishi Vigyan Kendra, Siwan (at Ramgarha village of Daraundha Block) & Krishi Vigyan Kendra, Piprakothi (at campus) organized one day campaign on 05.12.2022 where information on soil health, importance, its conservation and Integrated Nutrient Management practice were given to farmers by the Head, Krishi Vigyan Kendra, Dr. Arvind Kumar Singh and Dr. A. P. Rakesh, Assistant Professor, Pandit Deen Dayal Upadhyay College of Horticulture & Forestry Soil health cards were also distributed among the farmers.

- **Residential Training Program for Extension Functionaries was Organized at Pandit Deen Dayal Upadhyay College of Horticulture & Forestry, Piprakothi**, A three-day residential training program on topic 'Organic Farming and Organic Products' was organised from 06–08th December, 2022 under sponsorship of BAMETI (Bihar Agriculture Management & Extension Training Institute), Patna, for extension functionaries. Dean, Pandit Deen Dayal Upadhyay College of Horticulture & Forestry inaugurated the event. The participants were trained in various approaches of organic farming by the learned resource persons.

- **Field Day:** Krishi Vigyan Kendra, Turki organized a field day cum training programme on Pigeon pea (Variety Rajendra Arhar1) on 07th December, 2022 in the presence of Dr. P.S. Pandey, Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Director Extension Education, Director Research, other Deans, Directors & comptroller. Hon'ble Vice-Chancellor appreciated the work of Krishi Vigyan Kendra, and gave the valuable suggestions. The event was participated by 50 farmers & farm women.

- **6 days Bihar Agriculture Management & Extension Training Institute sponsored training on 'Entrepreneurship Development Programme'** School of Agribusiness and Rural Management organized a BAMETI (Bihar Agriculture Management & Extension Training Institute) sponsored 06 days Entrepreneurship Development Programme during 12th to 17th December, 2022, which was attended by Extension Officers from 30 districts of Bihar. The outcome of this training was the designing of cluster based innovative business models whose practical implications will be observed in the times to come. The entire programmes was coordinated by Dr. Mohit Sharma, course Director & Assistant Professor, School of Agribusiness and Rural Management.

- **"Organic farming: Sukhet Model" Training Programme:** Krishi Vigyan Kendra, Sukhet conducted ATMA (Darbhanga) sponsored five days residential training from 13-17th December, 2022 with participation of 25 progressive farmers.

- **Inauguration of facilities:** In Krishi Vigyan Kendra, Vaishali, Mushroom Spawn Lab, Creche and Exhibition of Banana products were inaugurated by the Hon'ble Vice-Chancellor in presence of Deans & Directors of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University on 15.12.2022 for further strengthening of extension activities in Vaishali.

- **Awareness Drive on "Natural Farming":** Krishi Vigyan Kendra,, Siwan organized an awareness program on "Low Cost Natural Farming" on 17th December, 2022 in village Sadiha Block Bhagwanpur Haat. Krishi Vigyan Kendra, Head, spoke on the importance of natural farming and Subject Matter Specialist (Crop production) explained in detail the method of making Jeevamrit, Beejamrit for a better adoption of plant protection measures under natural farming.

- **गणमान्य व्यक्तियों का आगमन:** श्री राधामोहन सिंह जी माननीय सांसद, मोतिहारी एवं पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार, डॉ. पी एस पांडे, माननीय कुलपति, निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं डॉ० अंजनी कुमार, निदेशक कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, पटना द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र पिपराकोठी, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, गोजातीय प्रजनन और पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी का भ्रमण किया गया एवं 17 दिसंबर, 2022 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के पिपराकोठी परिसर में आयोजित होने वाले पशु संरक्षण, उद्यान परदर्शनी एवं आत्मनिर्भर कृषि महोत्सव-2023 के आयोजन लिए एक बैठक भी आयोजित की गयी।

- **ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम:** कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर द्वारा दिसंबर महीने में प्रमुख विस्तार घटकों में से एक ग्रामीण युवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण युवाओं के बीच मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए बेलवा घाट, शिवहर के 35 किसानों को 18-20 दिसंबर, 2022 तक सीप और बटन मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण दिया गया। विषय वस्तु विशेषज्ञ (मत्स्य पालन) द्वारा "आधुनिक मवेशी, बकरी और मछली पालन तकनीक" पर दिनांक 06-08 दिसंबर, 2022 को भागीदारी के साथ आयोजित अनुसूचित जाति समुदाय के 38 किसानों और 30 किसानों की भागीदारी के साथ विषय वस्तु विशेषज्ञ (फसल उत्पादन) द्वारा आयोजित "वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन: व्यावहारिक प्रशिक्षण" पर दूसरा प्रशिक्षण दिया गया।

- **कृषि विज्ञान केन्द्र में किसान गोष्ठियों का संक्षिप्त विवरण**

1. दिनांक 21.12.2022 को राष्ट्रीय केमिकल फर्टिलाइजर लिमिटेड के सहयोग से कृषि विज्ञान केन्द्र, वैशाली परिसर में उर्वरक विक्रेताओं (संख्या 40) के लिए गोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रधान, विषय वस्तु विशेषज्ञ , पौध संरक्षण और एसएमएस, पशु विज्ञान ने उर्वरक, कीटनाशक और सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलित उपयोग आदि विषय पर व्याख्यान दिया।

2. कृषि विज्ञान केंद्र, सुखैत में राष्ट्रीय किसान दिवस सह किसान गोष्ठी मनाई गई, जिसमें ग्राम पंचायत के मुखिया (सुखैत), अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, झंझारपुर सहित 88 किसानों ने भाग लिया।

3. कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी द्वारा दिनांक 10 दिसंबर 2022 को श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद, मोतिहारी एवं पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार और विधायक, मोतिहारी, विधायक पिपरा एवं अन्य अधिष्ठाता और उक्त केन्द्र के सभी अधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में कृषक महिलाओं, आंगनवाड़ी सेविका, आईसीडीएस पर्यवेक्षक और सीडीपीओ के लिए "पोषण वाटिका निर्माण और प्रबंधन" पर किसान महिला गोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- **राष्ट्रीय मशरूम दिवस:** प्रत्येक वर्ष 23 दिसंबर को देश भर के सभी मशरूम केंद्रों पर राष्ट्रीय मशरूम दिवस के रूप में मनाया जाता है। एडवांस सेंटर ऑफ मशरूम रिसर्च, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने भी समारोह मनाया साथ ही डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय से पूरे बिहार में मशरूम की सफल यात्रा की सराहना की गयी। कार्यक्रम में माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पांडे ने मशरूम के विस्तार क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की और 'मशरूम क्रांति' की तुलना भारत में दूध की 'श्वेत क्रांति' से की। श्री कन्हैया चौधरी, पूर्व निदेशक (विशेष कार्य)/जे.टी. आईसीएआर में सचिव स्तर ने निदेशक अनुसंधान, निदेशक प्रसार शिक्षा और अन्य अधिष्ठाताओं और निदेशकों के साथ समारोह के विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में पूरे बिहार से कुल 200 मशरूम उत्पादकों ने भाग लिया कई उत्पादकों ने अपना अनुभव भी साझा किया।

- **मशरूम फार्मों का भ्रमण :** समस्तीपुर जिले में विशेष रूप से केंजिया (01), विक्रमपुर बांदे (01) और कोठिया (03) में पांच अलग-अलग मशरूम फार्मों का श्री कन्हैया चौधरी, पूर्व निदेशक (विशेष कार्य)/जे.टी.आईसीएआर में (सचिव स्तर) द्वारा 24 दिसंबर 2022 को मशरूम वैज्ञानिकों और संबद्ध वैज्ञानिकों के साथ भ्रमण किया गया।

- **दिनांक 28.12.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, लाडा समस्तीपुर-द्वितीय** द्वारा एकीकृत कीट प्रबंधन अभ्यास" पर संगोष्ठी आयोजित किया गया । कुल मिलाकर 300 किसानों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और कृषि फसलों की गुणवत्ता और उपज में सुधार के लिए प्रभावी पौध संरक्षण उपायों के लिए आईपीएम अभ्यासों के बारे में वैज्ञानिकों से बातचीत की। संगोष्ठी के दौरान किसानों ने पौध संरक्षण से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

पुरस्कार, खेल और अन्य गतिविधियाँ

- **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा** के स्थापना दिवस के अवसर पर 3 दिसंबर 2022 को मत्स्य विज्ञान (III और V सेमेस्टर) के छात्रों ने रंगोली और भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया और पुरस्कार जीते। आकांक्षा कुमारी और श्रुति सिन्हा ने रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार और आयशा झा ने भाषण प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया। छात्रों ने सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर नाटिका भी प्रस्तुत की।

- **कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों और कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान , लाडा समस्तीपुर-द्वितीय** ने 19 दिसंबर 2022 को मधेपुर ब्लॉक में मनरेगा श्रमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भाग लिया।

- **वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान कृषि विज्ञान केन्द्र , लाडा समस्तीपुर-द्वितीय** ने 24 दिसंबर 2022 को मधुबनी में चौथे कृषि रोड मैप से संबंधित जिला स्तरीय कार्यशाला में भाग लिया।

- **Visit of Dignitaries:** Sri Radhamohan Singh Ji Hon'ble Member of Parliament Motihari & Former Union Agriculture Minister, Government of India and Dr. P. S. Panday, Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa, Dr. Anjani Kumar, Director Agricultural Technology Application Research Institute, Patna visited Krishi Vigyan Kendra, Piprakothi, Centre of Excellence in Bovine Breeding and Pandit Deen Dayal Upadhyay College of Horticulture & Forestry, Piprakothi. They also convened a meeting on 17th December, 2022 for planning the Pashu Sanrakshan, Udhyan Pardarshini evam Atmanirbhar Krishi Mahotsav-2023 to be organized in the Piprakothi campus of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa.
- **Rural Youth Training Programmes:** Krishi Vigyan Kendra, Sheohar conducted Rural Youth Training in the month of December. To gear the mushroom cultivation among rural youth the Subject Matter Specialist (Plant Protection) imparted Hands on training to the 35 farmers of Belwa Ghat, Sheohar on oyster and button mushroom cultivation from 18-20th, December, 2022. Another rural youth training programmes on "Modern cattle, goat and fish farming technique" was organized by Subject Matter Specialist (Fisheries) from 06-08th, December, 2022 with a participation of 38 farmers of Schedule Caste community and second hands on training", on "Vermicompost production : organized by Subject Matter Specialist (Crop Production) with a participation of 30 farmers.

- **Kisan Goshthis/Training Programme at Krishi Vigyan Kendra:**

1. Goshthi cum Training programme was organized on 21.12.2022 with collaboration of Rastriya Chemical Fertilizer Ltd. for Fertilizer Dealers (40 in nos.) at Krishi Vigyan Kendra, Vaishali campus where Krishi Vigyan Kendra, Head, Subject Matter Specialist, Plant Protection and Subject Matter Specialist, Animal Science delivered lecture on the topic of Balance use of Fertilizer, Pesticides and Micro Nutrient etc.

2. National Farmer Day Cum Kisan Gosthi was celebrated at Krishi Vigyan Kendra, Sukhet with participation of Head of the Gram Panchayat Sukhet, Sub-Divisional Agriculture Officer Jhanjharpur and 88 farmers.

3. Kisan Mahila Gosthi cum Training Programme was organized by Krishi Vigyan Kendra, Piprakothi on 10th December, 2022 on "Poshan Vatika Construction and Management" for Farm Women, Anganwadi Sevika, Integrated Child Developments Services Supervisor and Child Development Project Officer in the dignified presence of Shri Radha Mohan Singh, Hon'ble Member of Parliament, Motihari & Former Union Agriculture Minister, Government of India along with Member of Legislative Assembly, Motihari, Pipra & other Deans and all Krishi Vigyan Kendra, officials of the said Krishi Vigyan Kendra.

- **National Mushroom Day:** The National Mushroom Day is celebrated Every year on 23rd December nation wide at all the mushroom centres. The Advance Centre of Mushroom Research, Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa also celebrated this event and commemorated the glorious journey of Mushroom from Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University to the entire Bihar. In the programme, Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. P.S. Pandey hailed the university efforts for leading in the area of mushroom and compared 'Mushroom Revolution' to the 'White Revolution' of milk in India. Sri. Kanhaiya Chaudhary, Formerly, Director(Special Duty)/(Jt. Secretary level) at Indian Council of Agricultural Research was the special guest of the function along with Director Research, Director Extension Education and other Deans & Directors. A total of 200 mushroom growers participated in the event from entire Bihar and some of them shared their experience as well.

- **Field Visits in Mushroom Farms:** Five Different mushroom farms particularly at Kaijiya, Vikrampur Bande and Kothia in Samastipur district were visited by Sri. Kanhaiya Chaudhary, Formerly, Director (Special Duty) / (Jt. Secretary) level at Indian Council of Agricultural Research along with mushroom scientists and associated scientists on 24th December, 2022.

- **Seminar on "Integrated Pest Management practices:** It was organized by Krishi Vigyan Kendra, Lada Samastipur-II on 28.12.2022. Altogether 300 Farmers participated in this event and interacted with the scientists about the Integrated Pest Management practices for effective plant protection measures to improve the quality and yield of the crop produce. Farmers received the solutions to all the problems related to plant protection during the seminar.

Awards, Sports & Other activities

- **On the occasion of foundation day of Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa** on 3rd December, 2022, Bachelor of Fisheries Science (III and V semester) students participated in rangoli and elocution competition and won prizes. Akanksha Kumari and Shruti Sinha won 1st prize in Rangoli competition and Aaisha Jha bagged 3rd prize in elocution competition. Students also performed skit on the topic- "Impact of social media".

- **Senior Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, Lada Samastipur-II** participated as resource persons in MANREGA (Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act) workers training programme at Madhepur Block on 19th December, 2022.

- **Senior Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, Lada Samastipur-II** participated in district level workshop on 24th December, 2022 at Madhubani related to 4th Agriculture Road Map.